कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन पर सी.सी.एस. (राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान), जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में (12–13 फरवरी,2019)दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं आमुखीकरण

शुष्क क्षेत्रों में आय बढ़ाने की तकनीक एवं व्यवसाय विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं आमुखीकरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. वी.पी. शर्मा, तकनीकी सलाहकार, राष्ट्रीय वर्षा आधारित क्षेत्र अधिकारिता (नरा) एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.एस. प्रकाश, राष्ट्रीय सलाहकार,राष्ट्रीय वर्षा आधारित क्षेत्र अधिकारिता तथा प्रोफेसर ईश्वर सिंह, प्रसार शिक्षा निदेशक, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. नरपत सिंह रानावत, सलाहकार, राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर तथा डॉ. अर्जुन सिंह जाट, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, नागौर के द्वारा की गई।कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. नरपत सिंह रानावत ने बताया कि सूखा ग्रसित चार जिलों– चुरू, अजमेर, नागौर एवं जैसलमेर को इस कार्यक्रम हेतु चुना गया है। इन्होंने वर्षा जल से सिंचित स्थानों पर होने वाले खाद्य पदार्थों के बारे में चर्चा की।

कार्यक्रम के इसी क्रम में राष्ट्रीय वर्षा आधारित क्षेत्र अधिकारिता के तकनीकी सलाहकार डॉ. वी.पी. शर्मा ने खाद्य उत्पादन में हरित क्रांति के योगदान, खेती के साथ पशुपालन का महत्व एवं सूखा प्रूफिंग एक्शन प्लान के बारे में विस्तार से बताया एवं सूखे के लिए तैयार होने के लिए कृषि तकनीकों के बारे में बताया। साथ ही ये भी बताया कि आने वाले समय में कृषकों हेतु एक ही पोर्टल पर सभी योजनाओं की जानकारी प्राप्त होंगी।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. अर्जुन सिंह जाट ने दक्षतापूर्ण जल प्रबंधन की तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया एवं उपनिदेशक कृषि (विस्तार) श्री हरजीराम चौधरी ने फार्म पौण्ड के लिए स्कीम एवं सब्सिडी के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के इसी क्रम में श्री पीयूष गहलोत ने मध्यम आय निवेशकों हेतु वित्तीय प्रबंधन के बारे में बताया।

कृषि विज्ञान केन्द्र के शस्य वैज्ञानिक डॉ. हरि राम चौधरी ने कृषि में लवणीय जल के प्रबंधन के बारे में बताया, डॉ. बाबू लाल जाट (पौध संरक्षण वैज्ञानिक), ने क्षेत्र में होने वाले मुख्य कीटों के प्रबंधन के बारे में बताया।

श्री मयूर जैन, केंचुआ खाद इकाई के अधिष्ठाता ने अपने सफलता की कहानी बताई एवं किसानों को अपने ही खेत पर केंचुआ खाद विकसित करने हेतु प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के दौरान पशुपालन एवं प्रबंधन पर चर्चा की गई। चर्चा में डॉ. नरपत सिंह रानावत ने देसी किस्मों जैसे राठी नस्ल पर जोर दिया। पूर्व तथा पश्चिमदीवार का महत्व बताया। मवेशियों को ढलान वाले स्थान पर रखने एवं दूध दुहने के 1–2 मिनट तक पशु को खड़ा रखने पर जोर दिया जिससे पशु को संक्रमण से बचाया जा सके।

कृषि महाविद्यालय, नागौर के सहायक आचार्य डॉ. राजदीप मुण्डियारा ने शुष्क क्षेत्र के लिए फसलों की उन्नत किस्मों के बारे में बताया।

कृषि महाविद्यालय, कोटा के सह आचार्य डॉ. बलदेव राम ने टिकाऊ फसल उत्पादन एवं कचरा जैव अपघटक आदि के बारे में विस्तार से बताया।

परियोजना उपनिदेशक (आत्मा) श्री शंकरराम सियाक एवं कृषि अधिकारी श्री बृजपाल मण्डा ने कृषि में प्रायोगिक समस्याओं के निदान पर चर्चा की।

अम्बुजा फाउण्डेशन के श्री गब्बर सिंह ने उन्नत कृषि तकनीकों के उचित समय पर प्रसार के महत्व पर चर्चा की। सहजन पौधारोपण हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया।

गृह वैज्ञानिक भावना शर्मा ने शुष्क क्षेत्र में उपलब्ध स्वदेशी खाद्य पदार्थों केर, सांगरी, कुमठ, काचरी, बैर के उन्नत तकनीकों द्वारा मूल्य संवर्धन, उपयुक्त लेबलिंग, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अन्त मेंकृषि महाविद्यालय, नागौर के सहायक आचार्य डॉ. शक्ति सिंह भाटी ने शुष्क क्षेत्र की फसलों में होने वाले सूत्रकृमि के प्रबंधन पर चर्चा की।

कृषि महाविद्यालय, नागौर के अधिष्ठाता डॉ. महेश कुमार पूनिया ने उन्नत फसल प्रबंधन हेतु चर्चा की।

इस कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग से कृषि अधिकारी, सहायक कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक, गैर सरकारी संस्था के अष्ठिाता, अम्बुजा सीमेंट कर्मचारी, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं अन्य कर्मचारी तथा कृषक उपस्थित थे।

दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं आमुखीकरण
Two Days Training-Cum-Orientation Programme
दिनांक 13 फरवरी 2019
CCS National
ture Marketing

दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं आमुखीकरण
Two Days Training-Cum-Orientation Programme
शुष्क क्षेत्रों में आय बढाने की तकनीक एवं व्यवसाय
दिनांक - 12-13 फरवरी 2019
Krishi Vigyan Kendra, Athiyasan, Nagaur-I

ICAR
NIAM
दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं आमुखीकरण
Two Days Training-Cum-Orientation Programme
शुष्क क्षेत्रों में आय बढाने की तकनीक एवं व्यवसाय
Policy Support and Income Enhancing Technologies,Enterprises in Rainfed Areas
दिनांक - 12-13 फरवरी 2019
आयोजक - कृषि विज्ञान केन्द्र अठियासन,नागौर-I
Athiyasan, Nagaur-I
CCS National